मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

अनुक्रमांक

नाम ......

101

301 (ZE)

2023

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 100*

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

*(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

खण्ड क

1. (क) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी निबन्धकार है: [1]

(i) शुक्ल-युग के

(ii) भारतेन्दु-युग के

(iii) शुक्लोत्तर-युग के

(iv) द्विवेदी युग के

(ख) 'कला और संस्कृति' इनमें से किस विधा की रचना है ? [1]

(i) आलोचना

(ii) निबन्ध

(iii) नाटक

(iv) कहानी

(ग) 'राष्ट्र जीवन की दिशा' कृति के रचनाकार हैं : [1]

(i) पं. दीनदयाल उपाध्याय

(ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(iv) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(घ) माघ का कथन - 'क्षणे क्षणे यन्त्रवतामुपैति तदेव रूपं रमणीयताया:'- इनमें से किस निबन्ध में उद्धृत है ? [1]

(i) ‘राष्ट्र का स्वरूप’

(ii) ‘अशोक के फूल’

(iii) 'भाषा और पुरुषार्थ'

(iv) ‘भाषा और आधुनिकता’

(ङ) ‘तपती पगडंडियों पर पद यात्रा’ आत्मकथा है: [1]

(i) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की

(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की

(iii) पं. दीनदयाल उपाध्याय की

(iv) जैनेन्द्र कुमार की

2. (क) ‘सुमन राजे’ की कविताएँ किस 'सप्तक' में संकलित है ? [1]

(i) ‘दूसरा सप्तक’ में

(ii) ‘तीसरा सप्तक’ में

(iii) ‘चौथा सप्तक’ में

(iv) ‘तारसप्तक’ में

(ख) इनमें से जगन्नाथदास ‘रत्नाकर’ की कृति नहीं है। [1]

(i) ‘समालोचनादर्श’

(ii) ‘श्रृंगारलहरी’

(iii) ‘वीराष्टक’

(iv) ‘अधखिला फूल’

(ग) सुमित्रानन्दन पन्त को ‘साहित्य अकादमी’ पुरस्कार मिला था : [1]

(i) ‘लोकायतन’ पर

(ii) 'कला और बूढ़ा चाँद' पर

(iii) 'चिदम्बरी' पर

(iv) 'ग्राम्या' पर

(घ) इनमें से कौन-सी काव्यकृति रामधारी सिंह 'दिनकर' की है ? [1]

(i) 'चक्रवाल'

(ii) 'अनामिका'

(iii) 'रश्मिबंध'

(iv) 'गन्यवीथी'

(ङ) ‘धर्म तथा ईश्वर के प्रति अनास्था’ आधुनिक काल के किस युग की प्रवृत्ति है ? [1]

(i) छायावाद-युग की

(ii) प्रगतिवाद-युग की

(iii) प्रयोगवाद-युग की

(iv) नयी कविता-काल की

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

मैंने भावना से अभिभूत हो सोचा - <u>जो बिना प्रसव किए ही माँ बन सकती है, वही तीस रुपये मासिक के योगक्षेम पर बीस वर्ष के दिन और रात सेवा में लगा सकती है और वही पीड़ितों के तड़पते जीवन में हँसी बिखेर सकती है।</u> तीसरे पहर का समय, थर्मामीटर

हाथ में लिए यह आय मदर टेरेसा और उनके साथ एक नवयुवती, उसी विशिष्ट धवल वेष में, गौर और आकर्षक । हाँ, गौर और आकर्षक, पर उसके स्वरूप का चित्रण करने में ये दोनों ही शब्द असफल । यों कहकर उसके आस-पास आ पाऊँगा कि शायद चाँदनी को दूध में घोलकर ब्रह्मा ने उसका निर्माण किया हो । रूप और स्वरूप का एक देवी सांचा-सी वह लड़की । नाम उसका क्रिस्ट हेल्ड और जन्मभूमि जर्मनी । फ्रांस की पुत्री मदर टेरेसा और जर्मनी की दुहिता क्रिस्ट हेल्ड, एक रूप, एक ध्येय, एक रस ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) नवयुवती का क्या नाम था ? उसकी जन्मभूमि कहाँ थी ?

(ग) नवयुवती की वेशभूषा और रूपरंग के सम्बन्ध में लेखक का क्या विचार है?-

(घ) ‘अभिभूत’ और 'दुहिता' शब्दों का अर्थ लिखिए,

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

प्रकृत यह है कि बहुत पुराने जमाने में आर्य लोगों को अनेक जातियों से निपटना पड़ा था। जो गर्वीली थीं, हार मानने को प्रस्तुत नहीं थीं, परवर्ती साहित्य में उनका स्मरण घृणा के साथ किया गया और जो सहज ही मित्र बन गयीं, उनके प्रति अवज्ञा और उपेक्षा का भाव नहीं रहा। असुर, राक्षस, दानव और दैत्य पहली श्रेणी में तथा यक्ष, गन्धर्व, किन्नर, सिद्ध, विद्याधर, वानर, भालू आदि दूसरी श्रेणी में आते हैं। परवर्ती हिन्दू-समाज इन सबको बड़ी अदभुत शक्तियों का आश्रय मानता है, सबमें देवता-बुद्धि का पोषण करता है। अशोक-वृक्ष की पूजा इन्हीं गन्धर्वो और यक्षों की देन है। प्राचीन साहित्य में इस वृक्ष की पूजा के उत्सवों का बड़ा सरस वर्णन मिलता है। <u>असल पूजा अशोक की नहीं, बल्कि उसके अधिष्ठाता कंदर्प-देवता की होती थी। इसे 'मदनोत्सव' कहते थे।</u> महाराज भोज के 'सरस्वती-कंठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता था ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) परवर्ती साहित्य में किसका स्मरण घृणा के साथ किया गया है ?

(ग) अशोक-वृक्ष की पूजा किसकी देन है ?

(घ) 'प्रकृत' तथा 'कंदर्प शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5×2=10]

इहि विधि धावति धँसति दरति ढरकति सुख-देनी ।

मनहुँ सँवारति शुभ सुर-पुर की सुगम निसेनी ।।

बिपुल बेग बल बिक्रम के ओजनि उमगाई ।

हरहराति हरषाति संभु-सनमुख जब आई ।।

भई थकित छवि चकित हेरि हर रूप मनोहर ।

है आनहिं के प्रान रहे तन धरे धरोहर ।।

<u>भयो कोप को लोप चोप और उमगाई ।</u>

<u>चित चिकनाई चढ़ी कढ़ी सब रोष रुखाई ।।</u>

(क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और उसके रचयिता का नाम लिखिए ।

(ख) 'संभु' के मनोहर रूप को देखकर कौन चकित हो गया ?

(ग) 'मनहुँ सँवारति शुभ सुर-पुर की सुगम निसेनी' - इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए ।

(घ) 'बिपुल' और 'निसेनी' शब्दों का अर्थ लिखिए

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

यह मनुज, ब्रह्माण्ड का सबसे सुरम्य प्रकाश,

कुछ छिपा सकते न जिससे भूमि या आकाश ।

यह मनुज जिसकी शिखा उद्दाम,

कर रहे जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम ।

यह मनुज, जो सृष्टि का श्रृंगार,

ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार ।

<u>'व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है क्षेय'</u>

<u>पर न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय</u>।

श्रेय उसका, बुद्धि पर चैतन्य उस की जीत;

श्रेय मानव की असीमित मानवों से प्रीत ।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और उसके रचयिता का नाम लिखिए ।

(ख) मनुष्य की क्या विशेषता है ?

(ग) मनुष्य का श्रेय क्या है ?

(घ) 'सुरम्य' और 'आगार' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

6. 'पंचलाइट' कहानी के कथानक पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)[5]

अथवा

चरित्र-चित्रण की दृष्टि से 'बहादुर' अथवा 'कर्मनाशा' की हार' कहानी की समीक्षा कीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर लिखिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'अर्जुन' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की घटना का उल्लेख कीजिए ।

(ख) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(ग) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ के चारित्रिक गुणों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

खण्ड ख

8. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : [2+5=7]

धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी भव्यभावोद्भाविनी शब्द-सन्दोह - प्रसविनी सुरभारती विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति। अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः, चत्वारो वेदाः सर्वाः उपनिषदा, अष्टादशपुराणानि अन्यानि च महाकाव्यनाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति । इयमेव भाषा सर्वासामार्थभाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्त्वविद्भिः । संस्कृतस्य गौरवं बहुविधज्ञानाश्रयत्वं व्यापकत्वं च न कस्यापि दृष्टेरविषयः ।।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन् । मत्स्या आनन्दमत्स्यं शकुनयः सुवर्णहंसम् । तस्व पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत् । स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्वित्तरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति । हंसराजः तस्यै वरं दत्त्वा हिमवति शकुनिसङ्घे संन्यपतत् । नानाप्रकाराः हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन् । हंसराज: आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकम् आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश । सा शकुनिसङ्घे अवलोकयन्ति मणिवर्णग्रीवं वित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्यभाषत ।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्याशों में से किसी एक का सन्दर्भ -सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : [2+5=7]

अनाकृष्टस्य विषयैर्विद्यानां पारदृश्वन:

तस्य धर्मरतेरासीद् वृद्धत्वं जरसा विना ।

अथवा

कामान् दुग्धे विप्रकर्षत्यलक्ष्मी

कीर्तिं सूते दुष्कृतं या हिनस्ति ।

शुद्धां शान्तां मातरं मङ्गलानां

धेनुं धीराः सूनृतां वाचमाहुः ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए: [2+2=4]

(क) कविकुलगुरुः कः कथ्यते ?

(ख) दिलीपः कस्य प्रदेशस्य राजा आसीत्?

(ग) मूलशङ्करः गृहं कदा अत्यजत् ?

(घ) विद्यार्थिनः किं त्यजेत्

10. (क) 'रौद्र' रस अथवा 'करुण' रस की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए। [1+1=2]

(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की सोदाहरण परिभाषा लिखिए। [1+1=2]

(ग) 'चौपाई' अथवा 'रोला' छन्द को परिभाषित करते हुए उसका एक उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: [9]

(क) बेरोजगारी की समस्या और समाधान के उपाय

(ख) गोस्वामी तुलसीदास

(ग) वन-संरक्षण का महत्त्व

(घ) भारतीय लोकतंत्र का भविष्य

(ङ) देशप्रेम

12. (क) (i) 'उपोषति' का सन्धि-विच्छेद है: [1]

(अ) उप + औषति

(ब) उप + ओषति

(स) उ + पोषति

(द) उपो + ओषति

(ii) 'लब्धः' का सन्धि-विच्छेद है। [1]

(अ) लभ् + धः

(ब) लब् + धः

(स) लभ + धः

(द) लभ् + अधः

(iii) 'नमस्ते' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) नम् + अस्ते

(ब) नम + अस्ते

(स) नमः + ते

(द) नमः + अस्ते

(ख) (i) 'प्रत्येकः' में समास है : [1]

(क) तत्पुरुष

(ब) कर्मधारय

(स) द्वन्द

(द) अव्ययीभाव

(ii) 'सज्जन' में समास है : [1]

(अ) अव्ययीभाव

(ब) कर्मधारय

(स) बहुव्रीहि

(द) द्विगु

13. (क) 'आत्मनि' रूप है 'आत्मन्' शब्द का : [1]

(अ) द्‌वितीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, द्‌विवचन

(स) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति एकवचन

(ii) 'नाम्ने' रूप है 'नामन' शब्द का: [1]

(अ) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(ब) द्‌वितीया विभक्ति, दिवचन

(स) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(द) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ख) 'तिष्ठेत' अथवा 'नयतम्' शब्द किस धातु, लकार, पुरुष एवं वचन का रूप है ?

[½+½+=½+½=2]

(ग) (i) 'नीत्वा' शब्द में प्रत्यय है : [1]

(अ) क्त्वा

(ब) क्ता

(स) त्व

(द) तव्यत्

(ii) 'लघुत्वम्' शब्द में प्रत्यय है : [1]

(अ) त्व

(ब) तल

(स) क्त्वा

(द) क्त

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : [1+1=2]

(i) पुत्री मात्रा सह आपणं गच्छति ।

(ii) भिक्षुकः पादेन खञ्जः अस्ति ।

(iii) नमः व्यासाय ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : [2+2=4]

(क) वे श्याम को पुस्तक देते हैं ।

(ख) वह मोक्ष के लिए भगवान को भजता है।

(ग) हम दोनों विद्यालय जा रहे हैं।

(घ) राम श्याम के साथ घर जा रहा है।